

**कार्यवृत्त** पुं. (तत्.) संस्था या सभा में किसी विषय पर हुए वाद विवाद या चर्चा का विवरण।

**कार्याकार्य** पुं. (तत्.) करनेयोग्य और न करने योग्य कार्य, सत् और असत्य कार्य।

**कार्याधिकारी** पुं. (तत्.) वह जिसके सुपुर्द किसी कार्य का प्रबंध आदि हो। officer

**कार्याध्यक्ष** पुं. (तत्.) मुख्य कार्यकर्त्ता। officer

**कार्यान्वय** पुं. (तत्.) दे. कार्यान्वयन।

**कार्यान्वयन** वि. (तत्.) किसी प्रस्ताव आदेश का कार्यरूप में परिणत होना।

**कार्यान्वित** पुं. (तत्.) 1. कार्यरूप में परिणत या प्रयुक्त लागू 2. कार्य से संबद्ध।

**कार्यार्थ** पुं. (तत्.) 1. किसी कार्य का लक्ष्य 2. काम पाने का आवेदनपत्र 3. उद्देश्य।

**कार्यार्थी** वि. (तत्.) 1. कार्य की सिद्धि चाहने वाला 2. काम चाहने वाला व्यक्ति, किसी बैठक, सभा सम्मेलन आदि की कार्यसूची के अनुसार चली समस्त प्रक्रिया जैसे- विचार-विमर्श खंडन-मंडन, निष्कर्ष आदि। proceeding

**कार्यालय** पुं. (तत्.) कार्य करने की जगह या स्थान, सरकारी या गैर सरकारी कार्यकर्त्ताओं के लिए निर्धारित कार्यानुसार कार्मियों के लिए सुविधा संपन्न कार्यस्थल। office

**कार्यालय संवाददाता** पुं. (तत्.) समाचार पत्र में प्रकाशनार्थ समाचार देने वाला व्यक्ति।

**कार्यालय-प्रतिनिधि** पुं. (तत्.) किसी समाचार पत्र या अन्य सरकारी दफ्तर का अधिकृत वैतनिक कार्यकर्त्ता या कर्मचारी जो सूचना (समाचार) संकलित करता हो 2. समाचार प्रतिष्ठान द्वारा कार्यालय के अतिरिक्त बाहरी स्थानों से समाचार लाकर प्रस्तुत करने वाला।

**कार्यालयीन** वि. (तत्.) 1. कार्यालय या शासन से संबंधित 2. सार्वजनिक अधिकारी द्वारा अधिसूचित सूचना या विज्ञप्ति जैसे- कार्यालय द्वारा प्रसारित कोई पत्राचार। official

**कार्यावलि** स्त्री. (तद्.) कार्यों की सूची, किए गए या किए जाने वाले कार्यों का विवरण।

**कार्यावली** स्त्री. (तत्.) दे. कार्यावलि।

**कार्यावस्था** स्त्री. (तत्.) कार्य की अवस्था, नाट्य. किसी नाटक में नायक द्वारा शुरू किए गए कार्य की पाँच अवस्थाएँ, इनके नाम हैं- आरंभ, यत्न, प्राप्त्याशा, नियताप्ति और फलागम।

**कार्यक्षण** पुं. (तत्.) कार्य का निरीक्षण, दूसरों के द्वारा किए गए काम का अवलोकन।

**कार्यवाई** स्त्री. (तद्.) 1. किसी कार्य को करने में होने वाली आवश्यक क्रिया, कार्यवाही 2. किसी सभा या बैठक के विचार-विमर्श पर कार्यवाही 3. विचार-विमर्श से किया गया प्रयास।

**कार्य्य** पुं. (तत्.) कृशता का भाव, दुर्बलता, कमी, अल्पता।

**कार्षापण** पुं. (तत्.) प्राचीन काल में प्रयुक्त होने वाला तांबा, चांदी या सोने का सिक्का जिसका माप अस्सी रत्ती का होता था, धन या सिक्का के अर्थ में प्रयुक्त शब्द।

**कार्ष्ण** वि. (तत्.) कृष्ण या कृष्ण द्रव्यपायन व्यास से संबंधित, कृष्ण रंग का।

**काल** पुं. (तत्.) 1. कालों का काल अर्थात् महाकाल 2. समय, अवसर, युग, मृत्यु, मौसम, समय का विभाजित रूप जैसे- भूत, वर्तमान, भविष्य मुहा. कालकवलित होना- मृत्यु होना; काल सा लगना- दुखदायी होना; काल नाचना- मृत्यु नजदीक होना वि. अतिशय भयोत्पादक।

**कालकंठ** पुं. (तत्.) महादेव, शिव, मयूर पक्षी, नीलकंठ पक्षी या गौरैया पक्षी।

**कालक** वि. (तत्.) काले रंग का, आँखों का काला हिस्सा, पानी में रहने वाला एक प्रकार का साँप।

**काल-कवल** पुं. (तत्.) 1. काल या मृत्यु का कौर 2. मृत्यु।

**काल-कवलित** वि. (तत्.) जिसे काल ने ग्रास बना लिया हो, मृत व्यक्ति।

**कालकूट** पुं. (तत्.) सागरमंथन से निकला भयंकर तेज विष जिसे शिव ने पी लिया था, हलाहल।

**कालकोठरी** स्त्री. (तत्.+तद्.) दुर्दांत अपराधियों को रखने के लिए बनाया गया अंधेरा कारागार लाक्ष. घुप्प अंधेरे वाला छोटा कमरा।